कार्यवाही | 15 हजार रूपए की ले रहा था रिश्वत, रंगे हाथों गिरफ्तार

रिश्वत लेते एसडीएम का क्लर्क रंगे हाथों ट्रैप

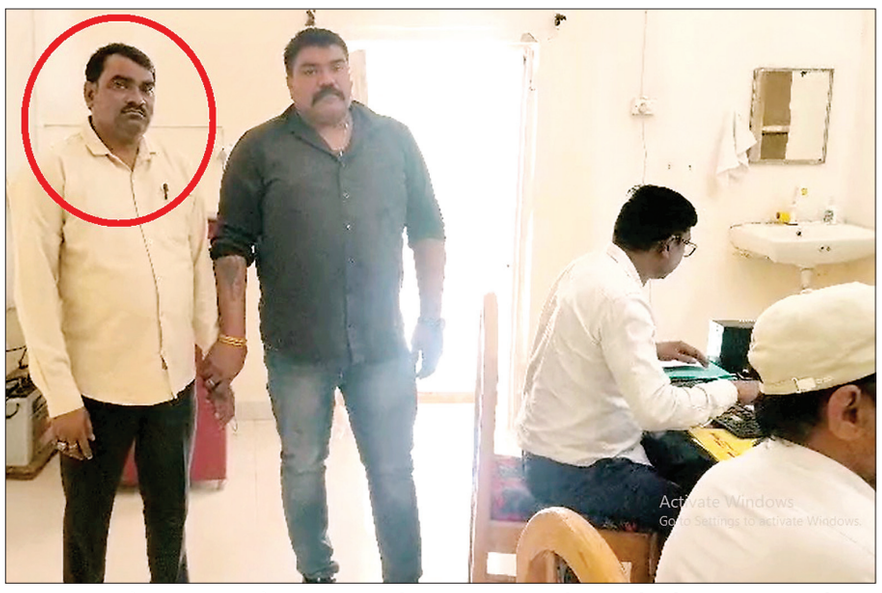

नवभारत,शहडोल। भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्ती के निर्देशों के तहत लोकायुक्त संभाग रीवा की टीम ने बुधवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए अनुविभागीय अधिकारी (एसडीएम) कार्यालय ब्यौहारी में पदस्थ क्लर्क वीर सिंह जाटव को 15 हजार रुपए रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ लिया। कार्रवाई महानिदेशक लोकायुक्तयोगेश देशमुख के निर्देश एवं उप पुलिस महानिरीक्षक मनोज सिंह के मार्गदर्शन में की गई।

आदेश की कॉपी देने के नाम पर मांगी रिश्वत

जानकारी के अनुसार, ग्राम निपानिया (तहसील ब्यौहारी) निवासी शिकायतकर्ता सुरेश कुमार जायसवाल ने लोकायुक्त कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई थी कि उनकी पत्नी अंकेता जायसवाल के नाम खरीदी गई भूमि के विवाद संबंधी मामले में एसडीएम कार्यालय में अपील लंबित थी। मामले के आदेश की प्रति देने के एवज में क्लर्क वीर सिंह जाटव द्वारा 20 हजार रुपए रिश्वत की मांग की जा रही थी।

सत्यापन के बाद बिछाया जाल

लोकायुक्त टीम ने शिकायत का सत्यापन कराया, जिसमें रिश्वत मांगने की पुष्टि हुई। इसके बाद 6 मई को योजनाबद्ध तरीके से ट्रैप कार्रवाई करते हुए आरोपी को 15 हजार रुपए रिश्वत लेते हुए पकड़ लिया गया। आरोपी के विरुद्ध भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 (संशोधित 2018) की धारा 7(क) के तहत अपराध दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। इस ट्रैप कार्रवाई में निरीक्षक एस. राम मरावी के नेतृत्व में उप पुलिस अधीक्षक प्रवीण सिंह परिहार सहित 12 सदस्यीय टीम और स्वतंत्र गवाह शामिल रहे। लोकायुक्त संगठन ने आम जनता से अपील की है कि यदि कोई शासकीय अधिकारी या कर्मचारी रिश्वत की मांग करता है, तो तत्काल इसकी शिकायत लोकायुक्त कार्यालय में करें, ताकि भ्रष्टाचार के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जा सके।

अंगद के पैर बने अधिकारी-कर्मचारी कब दिखेगा जिले से बाहर का रास्ता?

एक ही पद और एक ही स्थान पर वर्षों से जमे अफसरों पर उठ रहे गंभीर सवाल

नवभारत, शहडोल। जिले में लंबे समय से एक ही पद और एक ही स्थान पर जमे अधिकारियों और कर्मचारियों को लेकर लोगों में असंतोष दिखने लगा है। प्रशासनिक व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए समय-समय पर स्थानांतरण आवश्यक माना जाता है, लेकिन शहडोल में कई विभागों में यह व्यवस्था कागजों तक ही सीमित नजर आ रही है।स्थिति यह है कि कुछ अधिकारी और कर्मचारी वर्षों से एक ही कुर्सी पर अंगद के पैर की तरह जमे हुए हैं। वहीं दूसरी ओर कई विभाग ऐसे भी हैं, जहां नियमित पदस्थापना न होने के कारण प्रभारियों के भरोसे काम चल रहा है। इससे प्रशासनिक कार्यों की गति प्रभावित हो रही है और आम नागरिकों को भी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

स्थानीय सूत्रों के अनुसार, लंबे समय तक एक ही स्थान पर पदस्थ रहने से कार्यशैली में ढ़ीलापन आ जाता है। कई मामलों में मनमानी, पक्षपात और भ्रष्टाचार की आशंकाएं भी बढ़ जाती हैं। इसके बावजूद कुछ अधिकारी-कर्मचारी प्रभाव और संपर्कों के चलते अपने पसंदीदा स्थानों पर डटे हुए हैं, जिससे न केवल विभागीय कार्य प्रभावित हो रहे हैं बल्कि अन्य कर्मचारियों के अवसर भी सीमित हो रहे हैं। कार्यालयों से लेकर फील्ड तक के अधिकारी, कर्मचारी अपनी मर्जी चला रहे हैं। जनचर्चा का विषय बन चुकी इस स्थिति पर अब जनप्रतिनिधियों ने भी चिंता जताई है। उनका कहना है कि जिले में वर्षों से जमे अधिकारियों और कर्मचारियों की सूची तैयार कर शासन की स्थानांतरण नीति के अनुसार कार्रवाई की जानी चाहिए। इससे जहां प्रशासन में नई ऊर्जा का संचार होगा, वहीं कामकाज में पारदर्शिता और निष्पक्षता भी सुनिश्चित हो सकेगी।

प्रभार व्यवस्था भी बनी चुनौती

जिले के कई विभागों में नियमित अधिकारियों की कमी के कारण प्रभारियों को जिम्मेदारी दी गई है। लेकिन यह व्यवस्था लंबे समय तक चलने से कार्यों की गुणवत्ता प्रभावित हो रही है। निर्णय लेने में देरी और जवाबदेही की कमी भी सामने आ रही है।विशेषज्ञों का मानना है कि समयबद्ध स्थानांतरण और पदस्थापना से न केवल कार्यकुशलता बढ़ती है, बल्कि भ्रष्टाचार पर भी अंकुश लगता है। ऐसे में शहडोल जिले में भी इस दिशा में ठोस और पारदर्शी कदम उठाए जाने की आवश्यकता महसूस की जा रही है। अब देखना यह होगा कि जिम्मेदार अधिकारी इस मुद्दे को कितनी गंभीरता से लेते हैं और कब तक अंगद के पैर बने अधिकारी-कर्मचारियों को जिले से बाहर का रास्ता दिखाया जाता है।

डाकघर में 8-9 मई को आधार महा अभियान

सुबह 8 से रात 8 बजे तक मिलेंगी सेवाएं

नवभारत,शहडोल। भारतीय डाक विभाग द्वारा आम नागरिकों की सुविधा के लिए 8 एवं 9 मई को आधार महा अभियान शिविर आयोजित किया जाएगा। इस संबंध में पोस्टमास्टर सुप्रियल मिंज ने जानकारी देते हुए बताया कि आधार का अपडेशन विभिन्न सरकारी योजनाओं, पासपोर्ट और आगामी शैक्षिक सत्र में बच्चों के प्रवेश के लिए अनिवार्य होता जा रहा है। वर्तमान में बड़ी संख्या में लोग आधार संबंधी कार्यों के लिए डाकघर पहुंच रहे हैं, जिसे देखते हुए विशेष शिविर आयोजित किया जा रहा है। शिविर के दौरान डाकघर में सुबह 8 बजे से रात 8 बजे तक आधार से जुड़ी सभी सेवाएं उपलब्ध रहेंगी। इसमें नए आधार का पंजीकरण, पुराने आधार में नाम, जन्मतिथि, मोबाइल नंबर सहित अन्य सुधार कार्य किए जाएंगे। डाक विभाग ने आम जनता से अपील की है कि वे इस विशेष अभियान का अधिक से अधिक लाभ उठाकर अपने आधार संबंधी कार्य समय पर पूर्ण कराएं।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जल चौपाल आयोजित

नवभारत, शहडोल। डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेशभर में जल संरक्षण एवं संवर्धन के लिए विभिन्न पहलें लगातार संचालित की जा रही हैं। इसी कड़ी में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जनपद पंचायत सोहागपुर के ग्राम पंचायत मडवा में जल चौपाल का आयोजन किया गया।

उद्यानिकी विभाग के मैदानी अमले द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। जल चौपाल के माध्यम से आमजन को जल संरक्षण के महत्व के प्रति जागरूक करते हुए जल के विवेकपूर्ण उपयोग का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में बताया गया कि जल प्रकृति का अमूल्य उपहार है, जो समस्त जीव-जगत के अस्तित्व का आधार है। बिना जल के जीवन की कल्पना संभव नहीं है, इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को जल की एक-एक बूंद का महत्व समझते हुए इसके संरक्षण के लिए आगे आना चाहिए। इस अवसर पर उपस्थित ग्रामीणों से अपील की गई कि वे वर्षा जल संचयन, जल स्त्रोतों के संरक्षण एवं पानी की बर्बादी रोकने के लिए सामूहिक प्रयास करें, ताकि आने वाली पीढ़ियों के लिए जल उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके।

पॉलिटेक्निक कॉलेज में महिला सशक्तिकरण जागरूकता कार्यक्रम

नवभारत, शहडोल। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पॉलिटेक्निक कॉलेज शहडोल में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिला कार्यक्रम अधिकारी अखिलेश मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं एवं महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना और आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित करना है।

कार्यक्रम में बाल कल्याण समिति की अध्यक्ष कल्याणी वाजपेई ने महिला सशक्तिकरण पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि महिलाओं को अपने जीवन के महत्वपूर्ण निर्णय स्वयं लेने, शिक्षा, स्वास्थ्य, आर्थिक स्वतंत्रता एवं समानता के अधिकार प्राप्त करने के लिए सशक्त बनाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि सशक्तिकरण केवल अधिकार प्राप्ति नहीं, बल्कि आत्मविश्वास के साथ समाज में बराबरी से जीने की प्रक्रिया है।इस दौरान सहायक संचालक संगीता भगत ने वन स्टॉप सेंटर की सेवाओं की जानकारी देते हुए महिला हेल्पलाइन नंबर 181 एवं चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 के बारे में विस्तार से बताया। कार्यक्रम में पॉलिटेक्निक कॉलेज के प्राध्यापक एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

उपार्जन केंद्रों पर अव्यवस्था उजागर

नवभारत, शहडोल। जिले में समर्थन मूल्य पर गेहूं, चना एवं मसूर की खरीदी भले ही शासन द्वारा निर्धारित उपार्जन केंद्रों के माध्यम से की जा रही हो, लेकिन जमीनी हकीकत इससे अलग नजर आ रही है। उपार्जन केंद्रों पर व्यवस्थाओं की कमी और सुस्त कार्यप्रणाली के कारण किसानों को लगातार परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।जिले में गेहूं के 30 तथा चना एवं मसूर के मात्र 2 उपार्जन केंद्र स्थापित किए गए हैं। उप संचालक कृषि द्वारा पेपरेडी, भन्नी और ब्यौहारी केंद्रों का औचक निरीक्षण किया गया, जिसमें कई खामियां सामने आईं। निरीक्षण के दौरान ही पेयजल, छाया, समय पर तौल और पर्याप्त तौल कांटों की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश देना इस बात का संकेत है कि केंद्रों पर मूलभूत सुविधाएं तक संतोषजनक नहीं हैं।

पेपरेडी केंद्र की स्थिति भी चिंता जनक है, जहां 672 किसानों ने स्लॉट बुक किए, लेकिन अब तक केवल 6271.50 क्विंटल गेहूं की खरीदी हो सकी है। 274 किसानों का विक्रय कार्य अब भी लंबित है, जिससे किसानों को बार-बार केंद्र के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। इससे समय और आर्थिक नुकसान दोनों झेलना पड़ रहा है। वहीं ब्यौहारी मंडी में चना और मसूर की खरीदी का आंकड़ा बेहद कम है। किसानों का आरोप है कि तौल में देरी, अव्यवस्थित प्रबंधन और पर्याप्त संसाधनों की कमी के कारण उन्हें घंटों इंतजार करना पड़ रहा है।हालांकि अधिकारियों द्वारा व्यवस्थाएं सुधारने के निर्देश दिए गए हैं, लेकिन सवाल यह उठता है कि जब निरीक्षण के दौरान ही कमियां सामने आ रही हैं, तो अब तक जिम्मेदार अधिकारी क्या कर रहे थे। मुख्यमंत्री द्वारा भी औचक निरीक्षण की बात कही जा रही है, बावजूद इसके जमीनी स्तर पर सुधार नजर नहीं आ रहा।यदि समय रहते व्यवस्थाओं में सुधार नहीं किया गया, तो किसानों की नाराजगी बढ़ना तय है, जिसका खामियाजा प्रशासन को भुगतना पड़ सकता है।

बैठक | चुनावी मजबूती पर जोर

राजनगर में भाजपा मंडल की संगठनात्मक बैठक आयोजित

अनूपपुर, नवभारत। नगर परिषद बनगवां (राजनगर) क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी राजनगर मंडल की संगठनात्मक बैठक राजीव गांधी भवन में संपन्न हुई। बैठक का नेतृत्व मंडल अध्यक्ष कमलेश चतुर्वेदी ने किया, जबकि जिला भाजपा प्रभारी संजय साहू की विशेष उपस्थिति रही। बैठक में कोतमा विधायक वा लघु कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिलीप जायसवाल, जिला महामंत्री सिद्धार्थ शिव सिंह, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष रवि राठौर, पिछड़ा मोर्चा जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह, एससी मोर्चा जिलाध्यक्ष बब्बू चंद्रवंशी सहित कई वरिष्ठ पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बैठक की शुरुआत में जिला प्रभारी संजय साहू ने संगठन विस्तार और आगामी कार्यक्रमों की रणनीति पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि 1 से 7 तारीख तक

मंडल स्तर पर बैठकें आयोजित की जा रही हैं, जबकि 20 से 25 तारीख के बीच बूथ एवं शक्ति केंद्र स्तर पर बैठकें होंगी। उन्होंने बूथ अध्यक्षों और शक्ति केंद्र प्रभारियों से सक्रियता बढ़ाने और मन की बात कार्यक्रम में अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया।

योजनाओं की जानकारी जनता तक पहुंचाएं

साहू ने निर्देश दिए कि केंद्र एवं प्रदेश सरकार की योजनाओं की जानकारी आम जनता तक पहुंचाई जाए, विशेष रूप से महिलाओं और किसानों को अधिक से अधिक लाभ दिलाया जाए, ताकि संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत किया जा सके। इस दौरान मंत्री दिलीप जायसवाल ने कार्यकर्ताओं को संगठन की कार्यशैली और पद्धति समझाते हुए कहा कि बूथ स्तर की मजबूती ही चुनावी सफलता की कुंजी है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों से सक्रिय भूमिका निभाने और अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने पर जोर दिया। बैठक में उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं ने संगठन को मजबूत बनाने के लिए पूर्ण निष्ठा और ऊर्जा के साथ कार्य करने का संकल्प लिया। अंत में मंडल उपाध्यक्ष अरविंद सिंह परिहार ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम की

पीएम आवास निर्माण में ढिलाई पर सख्त रुख

सीईओ ने दिए कड़े निर्देश

अनूपपुर, नवभारत। जिला पंचायत सीईओ अर्चना कुमारी ने प्रधानमंत्री आवास ग्रामीण योजना के तहत चल रहे निर्माण कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही पर सख्त नाराजगी जताई है। जिला पंचायत सभाकक्ष में आयोजित समीक्षा बैठक में उन्होंने स्पष्ट कहा कि आवास निर्माण में किसी भी तरह की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में आवास प्लस एवं जनमन योजना के तहत स्वीकृत आवासों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। सीईओ ने सभी पंचायत समन्वयक अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने क्लस्टर की ग्राम पंचायतों के हितग्राहियों से नियमित संपर्क बनाए रखें और आवास निर्माण कार्य समयसीमा में पूर्ण कराएं।

उन्होंने विकासखंड समन्वयक एवं पंचायत समन्वय अधिकारियों को निर्देश दिए कि आवास निर्माण के लिए पाक्षिक लक्ष्य तय किए जाएं और उसी के अनुरूप कार्यों में तेजी लाई जाए। उन्होंने यह भी बताया कि शासन स्तर पर भी योजना की लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है, इसलिए कार्यों में गति और गुणवत्ता दोनों सुनिश्चित की जाए।

बैठक के दौरान सीईओ ने सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों की स्थिति की भी समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी शिकायतों का संतोषजनक निराकरण समय पर किया जाए, ताकि हितग्राहियों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। जिला प्रशासन ने स्पष्ट संकेत दिए हैं कि योजना के क्रियान्वयन में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।